अमर उजाला
बरेली
रविवार, 23 अक्तूबर 202

PAGE NO. 19 : MIDDLE

समाज का आइना है 'टुकड़े टकड़े धूप'

बरेली। समाज को आइना दिखाता नाटक 'टुकड़े टकड़े धूप' का मंचन एसआरएमएस रिद्धिमा में किया गया। यह नाटक विदेश में बसे बेटे की याद में दिन गुजारते बुजुर्गों की व्यथा को बयान करता है।

रूबरू थियेटर दिल्ली की ओर से प्रस्तुत नाटक मौजूदा समाज में बड़े परिवारों के दर्द को उभारती कहानी पर आधारित है। कहानी की शुरुआत विदेश से 15 साल बाद घर लौटे बेटे और उसके बचपन को याद करते माता पिता से होती है। इस नाटक के लेखक रजनीश गुप्ता और निर्देशन काजल सूरी ने किया। राजीव सैनी और काजल सूरी माता-पिता के किरदार में रहे। इस दौरान एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, इंजीनियर सुभाष मेहरा, डॉ एसबी गुप्ता, डॉ. पीएल प्रसाद, डॉ पीके परडल, अनुज कुमार, अनुज गुप्ता आदि मौजूद रहे। संवाद

रिद्धिमा में हुआ नाटक का मंचन।

Bareilly, Saturday, 23 October 2021
BAREILLY EDITION
Price ₹ 3.00/-
Pages 12
दैनिक जागरण
inext

PAGE NO. 07 : MIDDLE

टुकड़े-टुकड़े धूप की चाहत में दिन गुजारते दंपति

एसआरएमएस रिद्धिमा में विदेश में बसे बेटे की याद में दिन गुजारते बुजुर्गों की व्यथा का मंचन

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (22 Oct): एसआरएमएस रिद्धिमा में आज टुकड़े टुकड़े धूप नाटक का मंचन हुआ. विदेश में बसे बेटे के इंतजार में दिन गुजारते एक बुजुर्ग दंपति के दुख को दिखाते रजनीश गुप्ता के लिखित इस नाटक का निर्देशन काजल सूरी ने किया.

15 साल बाद लौटकर आया बेटा

नाटक का आरंभ पंद्रह वर्ष बाद विदेश से घर वापस आए बेटे राजू और उसके बचपन को याद करते उसके बुजुर्ग माता पिता प्रमोद और सावित्री से होता है. जो 15 वर्ष से घर में अकेले रहते हैं और एक दूसरे के सहारे हैं. बेटे राजू बचपन की यादों के सहारे दिन काटते माता पिता उसके आने से खुश हैं. लेकिन उनके मन में संशय है कि राजू कहीं उन्हें छोड़ कर फिर वापस विदेश न चला जाए, जहां उसकी विदेशी बीवी और बच्चा रहता है. जिन्हें उन्होंने अभी तक नहीं देखा और न ही वह उनसे मिले ही हैं. वह जानते हैं कि ऐसा होना संभव नहीं. वे कहते हैं कि अब हमें अपनी सोच बदलनी होगी. बच्चों के भविष्य के लिए अपना जीवन कुर्बान करने वाले मां-बाप, पैसों के लिए सुख सुविधाओं के लिए मां-बाप को भुला देने वाले बच्चे और बुजुर्गों के अकेलेपन के दर्द को उकेरते इस नाटक में प्रमोद का किरदार राजीव मैनी और सावित्री का किरदार काजल सूरी ने पूरी शिद्दत और दर्द से निभाया. इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, इंजीनियर सुभाष मेहरा, डॉ.एसबी गुप्ता रहे.